आजा शरण करले हरि का भजन लिरिक्स

आजा शरण करले हरि का भजन,
तेरा जीवन सफल प्राणी हो जाएगा,
लगता नही है कुछ तेरा,
लगता नही है कुछ तेरा।bd।

तर्ज – आजा सनम मधुर चाँदनी।

धीरे धीरे स्वाँस ये,
तेरी यूँ बीत जाएगी,
कँचन सी काया ये,
काम न तेरे कुछ आएगी,
तरने का करले जतन,
ध्यान धर गुरू के बचन,
करलै गुरू को नमन,
आ भी जा तू गुरू शरण,
आजा शरण करले हरी का भजन,
तेरा जीवन सफल प्राणी हो जाएगा,
लगता नही है कुछ तेरा,
लगता नही है कुछ तेरा।bd।

दुनिया मे तू ने बहुत,
काम प्राणी सब ही किए,
पर तू ने कुछ न किया,
काम अपने खुद के लिए,
ओ मुसाफिर तू सँभ्हल,
किस ने देखा है कल,
घर से तू बाहर निकल,
करले जीवन सफल,
आजा शरण करले हरी का भजन,
तेरा जीवन सफल प्राणी हो जाएगा,
लगता नही है कुछ तेरा,
लगता नही है कुछ तेरा।bd।

जब तू जग से जाएगा,
प्रभु को क्या बतलाएगा,
ले कर तू कुछ आया था,
पर ले के क्या जाएगा,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इंटरनेट के अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जग मे फँस के रह गया,
काम कुछ नही किया,
जन्म को विफल किया,
नाम न हरि का लिया,
आजा शरण करले हरी का भजन,
तेरा जीवन सफल प्राणी हो जाएगा,
लगता नही है कुछ तेरा,
लगता नही है कुछ तेरा।bd।

आजा शरण करले हरि का भजन,
तेरा जीवन सफल प्राणी हो जाएगा,
लगता नही है कुछ तेरा,
लगता नही है कुछ तेरा।bd।

– भजन लेखक एवं प्रेषक –
श्री शिवनारायण वर्मा,
मोबा.न.8818932923

वीडियो उपलब्ध नहीं।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com